25/07/2020

Educational Psychology

Paper III

B.A. II (Hons.)

(… continued)

Tests of Guidance
निर्देशन के परिक्षण

मापन प्रविधियों के द्वारा बालकों के सम्बन्ध में विभिन्न प्रकार की सूचनाएं प्राप्त होती हैं। इन प्रविधियों में निम्नांकित अधिक प्रचलित हैं -

1. **बुद्धि परिक्षण (Intelligence test) –**
   विभिन्न प्रकार के बुद्धि-परीक्षणों द्वारा बालकों की बौद्धिक योग्यता का पता लगाया जाता है। इससे शिक्षक यह समझ पाता है कि अमुक शिक्षार्थी किस सीमा तक ज्ञान एवं कौशल प्राप्त करने में समर्थ हो सकेगा। इस प्रकार शिक्षार्थी के शैक्षिक निर्देशन के कार्यक्रम बनाने में शिक्षक या निर्देशक को बड़ी सुविधा होती है। लेकिन, इस प्राविधि की उपयोगिताएँ सीमित हैं। पहली बात तो यह कि बौद्धिक योग्यता और उपलब्धि में धनात्मक सम्बन्ध नहीं होता है। मात्र बुद्धि के आधार पर यह निर्णय करना कठिन है कि अमुक विषय में शिक्षार्थी की उपलब्धि संतोषप्रद होगी अथवा असंतोषप्रद। दूसरी बात यह कि किस बालक को कौन-सा विषय लेना चाहिए इसका निर्णय मात्र बौद्धिक योग्यता के आधार पर संभव नहीं है। तीसरी बात यह है कि व्यवसाय सम्बन्धी चुनाव में भी बुद्धि-मापन अधिक उपयोगी सिद्ध नहीं होता है।

2. **रुझान परिक्षण (Aptitude test) –**
   इस परिक्षण के द्वारा यह जानने का प्रयास किया जाता है कि अमुक बालक का रुझान किस विषय या कार्य की ओर है। इससे निर्देशन में बड़ी सहायता मिलती है। जैसे - जो बालक यांत्रिक रुझान परिक्षण (mechanical aptitude test) में अधिक अंक पाता है वह कला या वाणिज्य की अपेक्षा इंजीनियरिंग में अधिक अच्छा करेगा। फिर भी रुझान परीक्षणों की उपयोगिता भी बुद्धि-मापन की तरह सीमित है।

3. **अभिरुचि परिक्षण (Interest test) –**

अभिरुचि मापन का उपयोग कर के शिक्षक यह जान पाता है की अमुक बालक की अभिरुचि किस विषय अथवा कार्य में अधिक है। यद्यपि इन परीक्षणों से बालकों की अभिरुचि का ज्ञान कुछ अंश में हो जाता है, फिर भी यह कहना गलत होगा कि शिक्षार्थी की रूचि एवं अरुचि का यथार्थ ज्ञान निर्देशक को हो जाता है क्यूंकि सामाजिक तथा धार्मिक तत्वों के कारण शिक्षार्थी अपनी अभिरुचियों को मापन के समय वास्तविक रूप से व्यक्त नहीं कर पाता है।

4. **व्यक्तित्व परिक्षण (Personality test) –**

शैक्षिक निर्देशन की विधियों में व्यक्तित्व मापन विधि की सहायता से बालकों के व्यक्तित्व सम्बन्धी, शील गुण, सामाजिक, पारिवारिक तथा संवेगात्मक अभियोजन सम्बन्धी जानकारी प्राप्त की जाती है। इन सूचनाओं के अनुरूप बालकों को शिक्षा प्राप्ति के लिए निर्देशित किया जाता है तब शिक्षा के क्षेत्र में उनका अभियोजन सफल रूप से हो पाता है। व्यक्तित्व सम्बन्धी शील-गुण के मापन में आज हम projective technique (T.A.T. Rorschach test) का उपयोग करते हैं। आज व्यक्तित्व अभिसूचि (personality inventory) का प्रयोग व्यक्तित्व मापन में व्यापक रूप में किया जा रहा है।

5. **उपलब्धि परिक्षण (Achievement test) –**

उपलब्धि परीक्षणों के द्वारा शिक्षक या निर्देशक यह जान पाता है कि अमुक बालक की उपलब्धि अमुक विषय में कितनी है। दूसरे शब्दों में उस बालक ने उस विषय में कितना ज्ञान प्राप्त कर लिया है इसकी जानकारी इन परीक्षणों के द्वारा हो जाती है। निर्देशन-कार्यक्रम के निर्माण में इससे बड़ी मदद मिलती है।

Dr. Hena Hussain

Asst. Professor

Department of Psychology

Oriental College, Patna City

WhatsApp No. – 9334067986

Email-drhenahussain@gmail.com